१८. परिवार और पड़ोस में होने वाले परिवर्तन

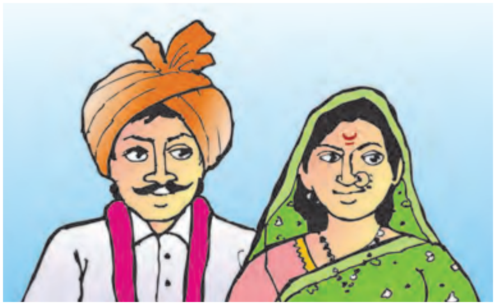

सन १९५०

सन १९७०

सन १९९०

आज

करके देखो

माता-पिता और दादी-दादा जी से पूछकर अपने परिवार संबंधी निम्नलिखित जानकारी प्राप्त करो।

- ऊपर दिए प्रत्येक वर्ष में संबंधित परिवार में कुल कितने व्यक्ति थे ?
- क्या परिवार के सदस्यों की संख्या में परिवर्तन हुआ है ?
- यह परिवर्तन क्यों होता गया ?

प्रत्येक परिवार के सदस्यों की संख्या अलग-अलग हो सकती है । यह संख्या सदैव स्थायी नहीं होती। यह कम-अधिक होती रहती है । परिवार के सदस्यों का विवाह होने पर सदस्यों की संख्या में वृद्‌धि या कमी होती है । विवाह के बाद चाची या भाभी का अपने घर आना और बुआ या बहन का दूसरे घर जाना तुमने देखा होगा । जन्म अथवा मृत्यु के कारण भी परिवार के सदस्यों की संख्या में परिवर्तन होता है । जब नई पीढ़ी का जन्म होता है तब परिवार में वृद्‌धि होती है । बुढ़ापा, बीमारी, दुर्घटना जैसे कारणों से परिवार के सदस्यों की मृत्यु होती है । इससे परिवार के सदस्यों की संख्या कम हो जाती है । कभी-कभी शिक्षा प्राप्त करने के लिए भी लड़के-लड़कियाँ दूसरे स्थानों पर चले जाते हैं । इसी प्रकार काम-धंधे अथवा नौकरी-धंधे के लिए भी सदस्य दूसरे स्थान पर जाकर वहीं रहने लगते हैं । इस प्रकार एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर वहाँ बसने की क्रिया को 'स्थानांतरण' कहते हैं । अत: विवाह, जन्म-मृत्यु और स्थानांतरण के कारण परिवार के सदस्यों की संख्या कम-अधिक होती रहती है । ऐसा नहीं है कि इस प्रकार के परिवर्तन केवल हमारे ही परिवार में होते हैं । ये परिवर्तन वास्तव में पूरे समाज में होते हैं ।

क्या तुम जानते हो

पक्षी भी स्थानांतरण करते हैं : भोजन, आवास तथा सुरक्षा के लिए अनेक पक्षी स्थानांतरण करते हैं। आकाश में अंग्रेजी अक्षर वी (V) का उल्टा आकार बनाकर उड़ने वाले हंसों का झुंड क्या तुमने देखा है ? अत्यंत सुंदर दीखने वाले पक्षी रोहित के संबंध में तुमने सुना है क्या ? ये पक्षी प्रतिवर्ष निश्चित समय पर एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर स्थानांतरण करते हैं ।

कुछ पक्षी उड़ते हुए बहुत दूर तक चले जाते हैं तो कुछ पक्षी पास के ही स्थान पर जाकर रहने लगते हैं । अक्तूबर से मार्च माह के मध्य रोहित पक्षी महाराष्ट्र में बहुत-से स्थानों पर दिखाई देते हैं । ये पक्षी सदैव अलग-अलग झुंड बनाकर उड़ते हैं । ये एक-दूसरे के साथ एकत्र होकर रहते तो हैं परंतु मनुष्य की भाँति उनका कोई परिवार नहीं होता और न तो मनुष्य की तरह इनका पड़ोसी ही ।

बताओ तो

यहाँ पास में दिए गए टिकटों के चित्रों को देखो ।

- समाज में होने वाले कौन-से परिवर्तन इन टिकटों के चित्रों में दिखाई दे रहे हैं ?

जब परिवार का कोई सदस्य किसी कारण घर से दूर जाता है तब पत्र, दूरभाष और इस समय तो इंटरनेट द्वारा संपर्क में बना रहता है । संचार के इन आधुनिक माध्यमों के कारण पूरा विश्व अत्यंत पास आ चुका है ।

पूर्व समय से आज तक परिवार के स्वरूप में अत्यधिक परिवर्तन हो गए हैं । खेती से अपना जीवन बिताने वाला मनुष्य एक ही स्थान पर स्थायी रूप से बस गया था । खेती के काम के लिए अधिक लोगों की जरूरत भी होती है । इसलिए सगे-संबंधियों में से बहुत-से लोग एकत्र रहा करते थे । इन सब लोगों के मेल से बड़ा परिवार बन जाता था ।

परिवार के सदस्यों की संख्या जैसे-जैसे बढ़ती गई वैसे-वैसे केवल खेती करके परिवार के सभी सदस्यों का पेट भरना कठिन हो गया । इससे व्यापार और नवीन उद्योगों का विकास होता गया। शहरों की संख्या बढ़ती गई । परिणामस्वरूप जहाँ काम-धंधा मिलने लगा, लोग जीवनयापन के लिए उन स्थानों पर चले गए । बड़े परिवार बिखर गए । इससे परिवार छोटे हो गए ।

पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा और नौकरी जैसे व्यवसाय के उद्देश्य से दूसरे राज्यों या विदेश जाने वालों की संख्या भी बढ़ी है । कभी-कभी किसी परिवार का एक व्यक्ति विदेश में और दूसरा व्यक्ति दूसरे राज्य में रहने लगा है । इससे भी परिवार में परिवर्तन हो रहे हैं ।

परिवर्तित होने वाले परिवार की भाँति ही पड़ोसी भी बदलते जाते हैं ।

करके देखो

अपने पड़ोस में रहने वाले किन्हीं तीन परिवारों के संबंध में निम्नलिखित जानकारी प्राप्त करो ।

- उनका मूल गाँव कौन-सा है ?
- उस गाँव से वर्तमान स्थान पर उनका परिवार कब और कैसे आया ?
- यहाँ नए स्थान पर उन्होंने कौन-से परिवर्तन देखे हैं ?

काम-धंधे, नौकरी अथवा व्यवसाय के लिए अथवा शिक्षा के लिए मनुष्य स्थानांतरण करता रहता है । स्थानांतरण द्वारा हमें अपने देश की विविधता की जानकारी होती है । भिन्न पर्वों, खाद्यपदार्थों, प्रचलनों-प्रथाओं आदि का परिचय होता है फिर भी हमें यह ज्ञात होता है कि सभी मनुष्य एक हैं ।

क्या तुम जानते हो

काम-धंधे और व्यवसाय के लिए कुछ लोगों को बार-बार स्थानांतरण करना पड़ता है । गन्ना कटाई का काम करने वाले मजदूर अथवा इमारतें बनाने का काम करने वाले मजदूर (राजगीर) जैसे बहुत-से लोगों को जहाँ काम मिलता है; वहाँ वे चले जाते हैं । बार-बार स्थानांतरण करने वाले ऐसे अभिभावकों के बच्चों को परिसर के विद्यालय में प्रवेश दिया जाता है ।

बताओ तो

- ऊपर वाले चित्रों में तुम्हें क्या दीखता है ?
- तुम्हारे और तुम्हारे पड़ोसियों में किन चीजों का लेन-देन होता है ?

परिवार के अतिरिक्त अपने पड़ोसियों से हमारा प्रतिदिन कोई न कोई संबंध आता है । हम एक ही परिसर में रहते हैं । परिसर के कूड़ा-कचरे के निस्तार, सुरक्षा, पानी, बिजली जैसे प्रश्नों को हल करने के लिए हमें एक-दूसरे की सहायता लेनी पड़ती है । कभी-कभी संकट में तो अपने सगे-संबंधी हमारी सहायता के लिए आने से पहले अड़ोस-पड़ोस के लोग ही आ आते हैं ।

एक-दूसरे की सहायता से अपने पड़ोसियों के साथ हमारा संबंध मित्रवत होता है । अपनेपन और मित्रवत संबंधों के कारण हमारा सामूहिक जीवन आनंदमय हो जाता है ।

हमने क्या सीखा

- परिवार के सदस्यों की संख्या सदैव एक समान नहीं रहती ।
- विवाह, जन्म-मृत्यु और स्थानांतरण के कारण हमारे परिवार के सदस्यों की संख्या कम या अधिक होती रहती है ।
- स्थानांतरण द्‌वारा देश अथवा विदेश की विविधता का परिचय होता है । अलग-अलग प्रकार के पर्वों, उत्सवों, खाद्‌यपदार्थों और प्रचलनों-प्रथाओं के दर्शन होते हैं ।
- जिस प्रकार हमारे परिवार में परिवर्तन होता है; उसी प्रकार अड़ोस-पड़ोस के परिवारों में भी परिवर्तन होता है ।
- एक-दूसरे की सहायता करने पर पड़ोस के लोगों के साथ हमारे संबंध सौहार्दपूर्ण बनते हैं और मैत्रीपूर्ण संबंध द्‌वारा हमारा सामूहिक जीवन आनंदमय होता है ।

स्वाध्याय

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :

(१) एक स्थान से चलकर दूसरे स्थान पर जाकर रहने की क्रिया को .... कहते हैं ।

(२) स्थानांतरण द्‌वारा हमें अपने देश की .... के दर्शन होते हैं ।

(आ) एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(१) खेती करके परिवार के सभी लोगों का भरण-पोषण करना कठिन क्यों हो गया है ?

(२) मनुष्य स्थानांतरण क्यों करता है ?

(इ) कारण लिखो :

(१) आजकल अधिकांश बड़े परिवार बिखर गए हैं ।

(२) अड़ोस-पड़ोस के लोगों के साथ हमारा अपनापन का संबंध होता है ।

उपक्रम

- अपने पड़ोस के किन्हीं पाँच परिवारों की जानकारी प्राप्त करो ।
- 'हमारा पड़ोसी' इस विषय पर दस पंक्तियों में एक निबंध लिखो ।
- डाक टिकटों का संग्रह करो ।

* * *

I33A2A